1 दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

2 बंधक-पत्र की दशा में ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि इनके बारे में उल्लेख हो।

3 पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़कर उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की और प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर) – [signature]

(पदनाम) – लिपिक

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण-पत्र की जाँच निम्न व्यक्ति ने की।

(हस्ताक्षर) – [signature]

(पदनाम) – अभिलेखपाल

कार्यालय : जिला निबंधन कार्यालय, आरा।

तारीख – 16/7/018

मुहर निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
16/7/018

* टिप्पणी :- इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये हैं। वे आवेदक द्वारा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं-किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो, तो वैसी दस्तावेजों से प्रभावित संव्यवहार (ट्रांजेक्शन्स) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किए जायेंगे।

*2 – निबंधन अधिनियम की धारा-57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों, अथवा जो उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके सामने रख दी जायेंगी।

✓ (क) :- किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय अपेक्षित तलाशी प्रमाण की किसी चूक के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

*(ख) :- और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदन ने अपेक्षित तलाशी स्वयं की है, और चूँकि उसके द्वारा ढूंढ़े गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा छूटे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की चूक के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला अवर निबंधक आरा, भोजपुर

ज्ञाप संख्या ____ दिनांक 16/7/018

आवेदक श्री राजेश्वर सिंह

का आवेदन प्रमाण-पत्र द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, के०जी० रोड, आरा

का उनके पत्र संख्या — दिनांक 05/7/018 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी
16/7/018

Scanned by CamScanner

अनुसूची 21-प्रपत्र संख्या 113

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र सं० 679 20 18 आवेदन सं० 9789/11/7/20 18

चूंकि श्री राजेश्वर सिंह

ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाय।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध कार्यालयों के अनुक्रमणियों में ता० 01/01/2005 से ता० 10/7/2018 तक तलाशी की गयी है और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला है:-

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तिथि	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्रति निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	मौजा पकड़ी थाना नं० 236 खेसरा नं० 1307 1308 1309 एराजी 03 कठा							

Scanned by CamScanner